**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 1088**

**दिनांक 19 दिसम्‍बर, 2018**

**उपभोक्ताओं को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का लाभ**

**1088. श्री रवि प्रकाश वर्माः**

**श्री नीरज शेखरः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या नवम्बर-दिसम्बर, 2018 के दौरान पिछले 13 माह में अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत सबसे निम्न स्तर पर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी तिथि-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने खुदरा बाजार में पेट्रोल और डीजल बेचते हुए कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के पूर्ण लाभ जनता तक नहीं पहुंचाए हैं;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) यदि नहीं, तो नवम्बर और दिसम्बर, 2018 के माह हेतु मुम्बई और दिल्ली में खुदरा व्यापार में पेट्रोल और डीजल की कीमत में आज की तिथि तक तिथि-वार कीमत क्या है?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

(क) और (ख): नवंबर, 2017 से अंतर्राष्‍ट्रीय बाजार में कच्‍चे तेल की भारतीय बास्‍केट का औसत मासिक मूल्‍य अनुलग्‍नक में दिया गया है।

(ग) से (ड.): सरकार ने पेट्रोल और डीजल के मूल्‍यों को क्रमश: दिनांक 26.06.2010 और 19.10.2014 से बाजार निर्धारित बना दिया है। तब से, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कं‍पनियां (ओएमसीज) अंतर्राष्‍ट्रीय उत्पाद मूल्‍यों तथा अन्‍य बाजार दशाओं के अनुसार पेट्रोल और डीजल के मूल्‍य निर्धारण के संबंध में उपयुक्‍त निर्णय लेती हैं। ओएमसीज ने मूल्‍यों को केवल बढ़ाया ही नहीं है अपितु तदनुसार घटाया भी है।

पेट्रोलियम उत्‍पादों के मूल्य अंतर्राष्‍ट्रीय बाजार में संबंधित उत्‍पादों के मूल्‍य से जुड़े हुए हैं। तेल विपणन कंपनियां अंतर्राष्‍ट्रीय उत्पाद मूल्यों, विनिमय दर, कर संरचना, अंतर्देशीय भाड़ा और अन्य लागत घटकों सहित विभिन्‍न पहलुओं पर विचार करने के पश्‍चात खुदरा बिक्री मूल्‍य के संबंध में निर्णय लेती हैं और मूल्य निर्धारण का सूत्र पेट्रोल और डीजल की मूल्‍य संरचना में प्रमुख लागत घटकों के 15 दिन के परिवर्तनशील औसत पर आधारित है। मुंबई और दिल्‍ली में पेट्रोल तथा डीजल के मूल्‍य के ब्‍यौरे पेट्रोलियम आयोजना और विश्‍लेषण प्रकोष्‍ठ (पीपीएसी) की वेबसाइट अर्थात [www.ppac.org.in](http://www.ppac.org.in/" \t "_blank) पर उपलब्‍ध हैं।

\*\*\*\*\*

**अनुलग्‍नक**

**‘’उपभोक्ताओं को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का लाभ’’ के संबंध में श्री रवि प्रकाश वर्मा और श्री नीरज शेखर द्वारा दिनांक 19 दिसंबर, 2018 को पूछे गए राज्‍य सभा अतारांकित प्रश्‍न सं. 1088 के भाग (क) और (ख) उत्तर में उल्लिखित अनुलग्‍नक।**

|  |  |
| --- | --- |
| **माह** | **कच्चे तेल की भारतीय बास्‍केट (डालर/बीबीएल)** |
| नवंबर-2017 | 61.32 |
| दिसंबर 2017 | 62.29 |
| जनवरी-2018 | 67.06 |
| फरवरी-2018 | 63.54 |
| मार्च 2018 | 63.80 |
| अप्रैल-2018 | 69.22 |
| मई 2018 | 75.25 |
| जून-2018 | 73.83 |
| जुलाई-2018 | 73.47 |
| अगस्त-2018 | 72.53 |
| सितंबर-2018 | 77.88 |
| अक्टूबर-2018 | 80.08 |
| नवंबर-2018 | 65.40 |
| दिसंबर 2018  (11.12.2018 तक) | 60.03 |

**टिप्‍पणी -** कच्चे तेल की भारतीय बास्‍केट भारतीय रिफाइनरियों में प्रसंस्‍कृत कच्चे तेल के सोर ग्रेड (ओमान और दुबई औसत) और स्‍वीट ग्रेड (ब्रेंट दिनांकित) को शामिल करके तैयार की गई बास्‍केट को दर्शाती है।